डी०पी०ओ० एवं सी०डी०पी०ओ० लीडरशिप डेव्लपमेंट कोर्स

ट्रेनिंग ऑफ ट्रैनर

संज्ञानात्मक विकास हेतु गतिविधियां

संज्ञानात्मक विकास हेतु गतिविधियों की परिभाषा एवं महत्व

"ऐसी गतिविधियाँ, जिससे बच्चो में सोचना, तर्क करने, समस्या सुलझाने, और अपने परिवेश को समझने और उनका विवरण देने की क्षमता बढ़ती है।"

महत्व

बच्चों में साक्षरता और संख्यात्मक कौशल विकसित करते है, जिससे उन्हें शैक्षिक सफलताएँ प्राप्त होती हैं ।

परिवेश के भौतिक, सामाजिक, और प्राकृतिक अवधारणाओं पर बच्चों की समझ विकसित करते हुये, उनमें अपने विचारों और भावनाओं को व्यक्त करने की क्षमता विकसित करते है।

बच्चों में समस्या सुलझाने के कौशल विकसित करते हुये, उन्हें वास्तविक जीवन की जटिल समस्याओं के लिए तैयार करना।

बच्चों को निर्णय लेने और स्वतंत्र रूप से कार्य करने में सक्षम बनाने एवं आत्मविश्वास की भावना को महसूस करने में उनकी मदद करते हैं ।

संज्ञानात्मक विकास की गतिविधियों का संचालन

“बच्चों में उचित संज्ञानात्मक विकास चरणबद्ध रूप से होता है, जिसके लिए संबन्धित गतिविधियों को व्यवस्थित क्रम से संचालित किया जाता है।”

समकालिक प्रक्रिया

पाँचों ज्ञानेन्द्रियों का विकास	देखने, सुनने, चखने, सूंघने और स्पर्श इंद्रियों को सुदृढ़ करना
विभिन्न मानसिक प्रक्रियाओं का विकास	मिलान करने, पहचानने, वर्गीकरण करने, अच्छी याददाश्त , समस्या सुलझाने, क्रमबद्धता, चरणबद्धता की क्षमताओं की वृद्धि
भौतिक, सामाजिक और प्राकृतिक परिवेश की अवधारणाओं पर समझ का विकास	रंग-आकार, संख्या-पूर्व (मोटा-पतला, कम-ज़्यादा, हल्का-भारी), स्थानिक (दूर-पास, अंदर-बाहर, ऊपर नीचे), तापमान (ठंडा-गरम), समय (सुबह-दोपहर-रात), संख्या आदि की अवधारणा

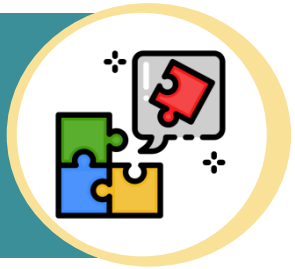

संज्ञानात्मक विकास की गतिविधियों की संरचना

"संज्ञानात्मक विकास की गतिविधियों की संरचना एवं कठिनाई बच्चों की आयु के अनुसार उपयुक्त होना चाहिए। "

गतिविधि	3-4 वर्ष	4-5 वर्ष	5-6 वर्ष
मिलाना और छाटना	वस्तुओं का उनके रंग, आकार या उनकी आकृति (माप) के आधार पर सामूहीकरण करना।	वस्तुओं का दो-तीन अवधारणाओं के आधार पर सामूहीकरण करना। जैसे – पीले चौकोर आकारों को छाटना।	एक समान विशेषताओं वाली वस्तुओं का सामूहीकरण करना। जैसे – ज़मीन के नीचे उगने वाली सब्जी, अधिक सवारी और कम सवारी वाले वाहन।
पज़ल पूरा करना	3-4 टुकड़ों वाले सरल पज़ल।	4-5 टुकड़ो वाले सरल पज़ल।	8-10 टुकड़ो वाले जटिल पज़ल।
कहानी सुनाना	परिचित कहानी के पात्रों को याद रखना और कहानी सुनाते समय अपनी स्मृति से घटनाओं में जुड़ाव करना।	कहानी की घटनाओं को चरणबद्ध रूप में सुनाना।	पूरे कहानी को अपने शब्दों में सुनाना।
पैटर्न पहचानना	सरल पैटर्न को पहचानना और पूरा करना – AB, AB, AB, AB	पैटर्न की जटिलता को पहचानना और पूरा करना - ABA, ABA, ABA, ABA	दो से अधिक अवधारणों पर आधारित या जटिल पैटर्न पूरा करना – B1©, B1©, B1©, B1©

क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए

• बच्चों की आयु अनुसार गतिविधियों एवं टी०एल०एम० का चयन करें।	• सभी आयु वर्ग के बच्चों के साथ, एक ही समय पर, एक समान गतिविधि करवाना।
• पहल पुस्तिका में दी गई गतिविधियों का चरणबद्ध रूप से संचालन करें।	• एक साथ, एक से अधिक नई अवधारणा से सम्बन्धित गतिविधि कराना। जैसे छोटे बच्चों के साथ रंग, आकार, माप पर एक साथ गतिविधि और चर्चा करना।
• बच्चों को स्वयं से खिलौनों और टी०एल०एम के प्रयोग द्वारा , अवधारणाओं को समझने का अवसर दें।	• बिना खेल या गतिविधि पद्धति के माध्यम से, बच्चों को अवधारणाओं और विशेषताओं के बारे में रटाना।
• प्रत्येक बच्चे के सीखने के स्तर पर विशेष ध्यान दें।	• बच्चे की व्यक्तिगत ज़रूरत और सीखने की क्षमता को नज़र अंदाज़ करना।
• बच्चे कीजरूरतों और रुचियों के अनुसार, गतिविधि एवं टी०एल०एम० के प्रयोग में समायोजन लाने की कोशिश करें	• बच्चे को, उनकी अरुचि के बावजूद, एक ही पद्धति से सिखाने का प्रयास कराना ।